the target fixed and route kilometre electrified are as under:

Year	Target	Achievement
1992-93	500	479
1993-94	500	505
1994-95	500	473

Thus 1457 route kilometre have been electrified from 1.4.1992 to 31.3.1995.

It has been planned to electrify 600 route kilometre during 1995-96 and 650 route kilometre in 1996-97 in order to achieve the target, provided that adequate funds are made available in time. Thus the targets set for VIII Plan are expected to be achieved.

(d) Rs. 830 Cr., at price levels of 85-86 was allocated for the target set for VII Plan Taking yearly escalations into account the total outlay over the plan period had to be around Rs. 1150 Cr. for achieving the target. But the total money made available was only Rs. 968 crore. With this a commensurate level of 2812 route kilometre of electrification could be achieved. The targets were not affected by delays but was affected by cost escalation.

As far as VIII plan is concerned, adequate funds covering cost escalations are likely to be made available and therefor no shortfall in target is expected.

एप्रोप्रिएट टेकनोलोजी यूनिट का कार्यकरण

436. **श्री राम जेठमलानी:**
श्रीमती सुषमा स्वराज:

क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या लघु उद्योग विभाग के तहत एप्रोप्रिएट टेकनोलोजी यूनिट कार्यरत है;

(ख) यदि हां, तो इस यूनिट के मुख्य-मुख्य कार्य क्या है;

(ग) इस यूनिट में कुल कितने कर्मचारी कार्यरत है और इस यूनिट का कुल वार्षिक बजट कितना है;

(घ) क्या इस यूनिट द्वारा गत कुछ वर्षों के दौरान छोटे-छोटे कारीगरों की कार्य-क्षमता बढ़ाने के लिये अत्याधुनिक तकनीक के आधार पर नये शोध-कार्य किये गये हैं; और

(ङ) इस बात को सुनिश्चित करने के लिये सरकार द्वारा क्या उपाय किये गये हैं कि इस शोध-कार्य का लाभ छोटे और ग्रामीण कारीगरों तक पहुंचे?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० अरूणाचलम): (क) जी, हां।

(ख) उपयुक्त प्रौद्योगिकी एकक के मुख्य कार्य निम्न प्रकार हैं:-

— उपयुक्त प्रौद्योगिकी पर उपलब्ध विद्यमान सूचना का संकलन करना।

— विशेष क्षेत्रों का पता लगाना जिसमें उपयुक्त प्रौद्योगिकी प्रणाली अधिक रोजगार के अवसर पैदा करेगी।

— प्रारंभिक लागत का अध्ययन और अन्य आर्थिक अन्वेषण करना।

— उत्पादन संबंधी तकनीकों के उन्नयन करने हेतु उपयुक्त मशीनों/औजारों के विकास के लिए अनुसंधान संस्थाओं के लिए प्रौद्योगिकी संबंधी समस्याओं का ब्यौरा तैयार करना।

— अनुसंधान परियोजनाओं में समन्वय स्थापित करना और क्रियान्वयन अभिकरणों द्वारा पता लगाये गये आधार रूप का व्यावहारिक परीक्षण करना और अलग-अलग लोगों को/कारीगरों के समूह को मशीनें प्रदान करना।

(ग) उपयुक्त प्रौद्योगिकी एकक में दो कर्मचारी हैं और यह एकक लघु उद्योग तथा कृषि एवं ग्रामीण उद्योग विभाग में एक निदेशक के अधीन कार्य कर रहा है। इसके लिए वर्ष 1995-96 के लिए बजट परिव्यय 60 लाख रुपये है।

(घ) उपयुक्त प्रौद्योगिकी की सहायता से विकसित की गई प्रौद्योगिकीयों के संबंध में जानकारी विवरण में दी गई है। **(नीचे देखिए)**

(ङ) उपयुक्त प्रौद्योगिकी एकक की वित्तीय सहायता से विकसित की गई मशीनें लघु उद्योग एककों और कारीगरों को वितरित की जाती है और उन्हें इन मशीनों को चलाने संबंधी प्रशिक्षण दिया जाता है।

विवरण

उपयुक्त प्रौद्योगिकी की सदस्यता से विकसित की गई प्रौद्योगिकियां

1. सूत बनाने वाली मशीन (केयर, सवाईघास, मूंज और सनहेम्प)
2. रोगनधारी लकड़ी के खिलौने बनाने वाली मशीन।
3. अकिक पालिशिंग मशीन।
4. मेडिसिनल प्लांट प्रोसेसिंग मशीन।
5. बांस उत्पाद बनाने वाली मशीन।
6. शाल और कारपेट बुनने के लिए खड्डी (करघे)
7. ब्रास और बेल मेटल इन्डटरी के लिए उपकरण/औजार।
8. ईंधन क्षम बेंकिग ओवर।
9. कच्ची हल्दी परिष्करण के लिए संयंत्र।
10. पापड़ बनाने की मशीन।
11. शुगर बीट प्रसंस्करण मशीन।
12. ताला बनाने के लिए उपकरण/औजार।
13. ब्ल्यू पोटरी क्लिन्स (भट्ठे)।
14. सिट्रोनेला आयल निकालने का संयंत्र।

Availability of Non-Conventional Energy

437. SHRI V. HANUMANTHA RAO:
SHRI SANJAY DALMIA:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the total quantity of the non-conventional energy available presently in the country through various sources;

(b) the reasons for slow progress if any in tapping the non-conventional energy sources;

(c) whether the Union Government have since decided to formulate a comprehensive Renewable Energy Policy; and

(d) if so, the salient feature of the Policy and ther main objectives thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (PROF. P.J. KURIEN): (a) Various types of non-conventional energy systems & devices are being installed throughout the country for electricity & energy generation for a variety of applications including cooking, water heating, lighting, water pumping etc. The present status of these installation is given at Statement *(See* below)

(b) Significant progress has been made in the tapping of various renewable energy sources, particularly during the last four years. However, some constraints which have still to be tackled for further accelerating the utilisation of non-conventional energy include, among others providing a level playing field for non-conventional energy sources in comparison with conventional energy provision of adequate financial resources for promoting non-conventional energy sources, especially in view of their high initial cost/investment and the need for upgrading of infrastructure for the installation, operation & maintenance of non-conventional energy devices in the States and at the grassroot levels.

(c) and (d) The Ministry of Non-Conventional Energy Sources have initiated action for the formulaion of a comprehensive "Renewable Energy Policy". The details of the Policy, including main objectives, are being prepared.